मैरी और भेड़िए का पिल्ला

ऐन ब्लेड्स

उत्तरी ब्रिटिश कोलंबिया में फिर से कड़ाके की सर्दी है. फेहर फार्म में नवंबर की शुरुआत से ही बर्फ जमी हुई है और वो बर्फ मई तक नहीं पिघलेगी.

फरवरी की साफ़ रात में तापमान शून्य से चालीस डिग्री नीचे चला जाता है और उत्तरी रोशनी पूरे आकाश में चमकती है. मैरी फेहर बिस्तर से उठती है और देखने और सुनने के लिए खिड़की के पास जाती है. उसे एक कर्कश आवाज सुनाई देती है जिसे सुनकर वो उत्साहित होकर मुस्कुराती है. मैरी को यह दिखावा करना पसंद है कि अगर वो उत्तरी रोशनी का संगीत सुन पाए तो अगला दिन उसके लिए कुछ खास लेकर आएगा.

अगली सुबह मैरी फेहर खुश-खुश उठती है. ऐसा क्यों? फिर उसे याद आता है और सोचती है कि वो दिन उसके लिए क्या ख़ास लाएगा? वो अपने जूते, टोपी, भारी कोट और दस्ताने पहनती है, और मुर्गियों को खिलाने के लिए मुर्गीघर की ओर जाती है.

सर्दियों का हरेक दिन लगभग एक-जैसा ही होता है. उस दिन क्या अजीब हो सकता है? उसकी माँ एक नए बच्चे की उम्मीद कर रही है, लेकिन उसे अभी एक और महीना लगेगा.

मैरी, मुर्गियों को खिलाती है और वापस आती है. सामने का घर देखकर उसे एक अन्य विशेष दिन की याद आती है. उस दिन उसके पिता ने उस घर का निर्माण पूरा किया था. उन्हें उसका बहुत गर्व था. जब परिवार पहली बार फार्म पर आया था तो वे उस झोंपड़ी में रहते थे जहाँ अब अनाज रखा जाता है. इससे पहले वे शहर में रहते थे, लेकिन मैरी को उतनी पुरानी बात अब याद नहीं है.

मैरी की माँ ने उसे शहर की सुख-सुविधाओं के बारे में बताया - पानी के नल, बिजली, टेलीफोन और टेलीविजन. जबकि यहां पर एक-एक बाल्टी पानी, घर में ढोकर लाना पड़ता था. सिंक का गन्दा पानी एक और बाल्टी में इकट्ठा होता था जिसे बाहर जाकर खाली किया जाता था. यहाँ पर बाथरूम बाहर था और बाथटब एक बड़ी बाल्टी थी. यहाँ परिवार के पास सुनने के लिए एक ट्रांजिस्टर रेडियो ज़रूर था लेकिन फिर भी मिसेज़ फेहर कभी-कभी अकेलापन महसूस करती थीं.

निकटतम पड़ोसी बर्गन परिवार था, जो उनके फार्म से दो मील दूर रहता था.

मैरी ने अपने पिता को खलिहान के पास देखा. कल कैटरपिलर ट्रक ख़राब हो गया था, और वो उसे ठीक करने की कोशिश कर रहे थे. सर्दियों में जिस दिन बर्फ नहीं गिरती है, तब मिस्टर फेहर थोड़ी और जमीन साफ करते हैं. वो पेड़ों और मलबे को नीचे धकेलने के लिए कैटरपिलर ट्रेक्टर का उपयोग करते हैं.

जब गर्मी आएगी तो पूरा परिवार मिट्टी में से पौधों की जड़ों को साफ़ करेगा जिससे कि मिट्टी में दुबारा बुआई की जा सके.

"जब हम इस ज़मीन का अधिकांश भाग साफ़ कर देंगे, तो सरकार हमें इस ज़मीन का पट्टा दे देगी," उसके पिता ने समझाया. "इसीलिए हम इस उत्तरी इलाके में आए हैं, ताकि हमारे पास अपना फार्म हो और हम अपने तरीके से जी सकें."

नाश्ते के लिए आने से पहले, मिस्टर फेहर इंजन को गर्म करने के लिए ट्रक के नीचे एक प्रोपेन टॉर्च जलाते हैं. इंजन गर्म होने में एक घंटा लगेगा क्योंकि पिछली रात बहुत ठंडी थी.

आमतौर पर, मैरी को यह समय पसंद आता था. उसके बाद उसे स्कूल जाना होता था. मिस्टर फेहर नन्ही ईवा के साथ खेल रहे थे. इसहाक और जेक स्कूल की लाइब्रेरी एक पुस्तक पढ़ रहे थे. आज सुबह साराह ने मैरी को अपने साथ, क्रेयॉन पेन्टिंग करवाने की कोशिश की लेकिन मैरी का उसमें मन नहीं लगा. आज क्या होगा? वो स्कूल जाने को बेचैन थी.

मिसेज़ फ़ेहर ने नाश्ता परोसा. नया बच्चा आने के बाद लड़कियां उनकी इससे भी ज्यादा मदद करेंगी. वे बर्तन साफ़ करेंगी, खाना बनाएंगी, बिस्तर बनाएंगी और फर्श भी साफ करेंगी. वो सब करना उन्हें बुरा नहीं लगेगा. किसी नए बच्चे का आगमन बहुत रोमांचक होता है.

रेडियो चालू है. मौसम की रिपोर्ट है: "आज दोपहर बर्फ़ पड़ेगी और शाम के समय बहुत ठंड होगी."

मिस्टर फेहर पहले बाहर गए और उन्होंने इंजन शुरू किया. उन्होंने देर के लिए इंजन को चलने दिया. फिर उन्होंने हॉर्न बजाया जिसे सुनकर मैरी, साराह, जेक और इसहाक बाहर निकले और उनकी बगल की सीटों पर आकर बैठ गए. सब लोग सटकर बैठे जिससे वो गर्म रहें.

आज टीचर मिसेज़ बर्न्स ने तेल के हीटर को फुल स्पीड चालू किया, लेकिन कमरा अभी भी इतना ठंडा है कि खिड़कियों के पास बैठे बच्चों ने अपने कोट हीटर के करीब रखे थे. दोपहर के समय साराह ने कक्षा को देखा जबकि मिसेज़ बर्न्स दोपहर का भोजन खाने के लिए पीछे चली गईं. तीन बजे एक आदमी ने छोटे बच्चों की कोट पहनने में मदद की. उन्हें ठंड से बचाने के लिए उसने उनके सिर पर स्कार्फ भी बांधे.

अपने जूतों को पहनते हुए मैरी ने आह भरी. स्कूल का दिन खत्म हो गया था फिर भी अभी तक कुछ खास नहीं हुआ था.

घर के रास्ते में ट्रक में बैठकर मिस्टर फेहर बच्चों से स्कूल की बातें सुनते हैं. लेकिन वो खुद कुछ नहीं बोलते हैं. वो बड़े ध्यान से सड़क को देखते हैं. बर्फ लगातार पड़ रही है और बाहर देख पाना काफी मुश्किल है.

जैसे ही वे अपने फार्म के पास आते हैं, एक और ट्रक बर्फ उड़ाता हुआ तेज़ी से निकलता है. मिस्टर फ़ेहर दुर्घटना से बचने के लिए तेज़ी से दाहिनी ओर मुड़ते हैं और उससे उनके पिछले पहिए एक खाई में गिर जाते हैं.

जब मैरी अपने पिता को ट्रक को जैक करते हुए देखती है और पिछले टायरों पर जंजीरें लगाते हुए देखती है, वो सोचती है, "मुझे आशा है कि यह कोई विशेष बात नहीं होगी."

फिर, घर की सड़क पर आगे बढ़ते हुए मैरी बर्फ पर कुछ देखती है और चिल्लाती है; "देखो, एक पिल्ला!" वो उसके पास दौड़ती है, घुटने टेकती है, और पिल्ला उसके दस्तानों को चाटता है.

मैरी, पिल्ले को ट्रक तक ले जाती है. "कृपया, पिताजी, क्या मैं उसे रख सकती हूँ?"

मिस्टर फेहर सिर हिलाते हैं. "तुम फार्म के नियम जानती हो. जानवरों को हमारे लिए काम करना चाहिए या फिर उन्हें हमें खाना देना चाहिए."

मैरी विरोध करती है: "एक कुत्ता ज़रूर कुछ मदद कर सकता है...."

मिस्टर फेहर बीच में टोकते हैं, "यह एक साधारण कुत्ता नहीं है. वो आधा-भेड़िया है, और भेड़ियों के पिल्ले बेकार होते हैं. उसे जंगल में ले जाओ और उसे छोड़ दो. बाकी बच्चे अपना-अपना काम करें."

दुखी होकर मैरी अपने पिल्ले के साथ चली गई जबकि अन्य बच्चे अपने-अपने काम पर चले गए. जेक लकड़ी के ढेर के पास गया, और उसने एक कुल्हाड़ी से लट्ठों को काटा और फिर उन्हें उठाकर घर में ले गया. मिसेज़ फेहर खाना पकाने के लिए उस लकड़ी का उपयोग करती थीं. घर को गर्म करने वाले हीटर में बहुत अधिक लकड़ी लगती थी. कभी-कभी जब दोनों हीटर बंद होते थे तब घर में कड़ाके की ठंडक होती थी.

जब वह उसे जंगल में ले गई तो पिल्ला मैरी की बाहों में छिप गया. वो बहुत चाहती थी कि वो उसे रख सके! "मैं तुम्हें वुल्फ बुलाऊंगी," उसने कहा.

बर्फबारी बंद हो गई थी, लेकिन रास्ता बर्फ से पूरी तरह ढक गया था और पेड़ एक-दूसरे के और करीब आकर सट गए थे. यदि वो सड़क से बहुत दूर जाती, तो उसे वापस जाने का रास्ता मिलना मुश्किल होता. क्या होगा यह देखने के लिए उसने पिल्ले को नीचे रखा. वो चारों ओर दौड़ा, उत्साहित हुआ, उसने पेड़ों को सूंघा. वो मुड़ी और वापिस चली गई. पिल्ले ने उसका पीछा नहीं किया.

"वो कुछ ज़रूर खास था, ठीक है," मैरी ने घर की ओर जाते हुए सोचा. "लेकिन वो ख़ास चीज़ लंबे समय तक नहीं टिकी."

घर के पास इसहाक अपने घोड़े माउस पर सवारी कर रहा था. कुछ साल पहले, इसहाक और जेक माउस पर सवार होकर ही स्कूल जाते थे और घोड़े को स्कूल के पीछे खलिहान में रखते थे. लेकिन अब माउस को बाहर जाने के लिए इसहाक के घर आने का इंतज़ार करना पड़ता है.

मैरी को घर में प्रवेश करते ही ताज़ी पकी हुई डबलरोटी की महक आई. माँ ने उसे किचन में से देखा.

"तुम कहाँ थी, मैरी? साराह तुम्हारा इंतज़ार कर रही है. देखो घर में पानी लगभग ख़त्म हो चुका है."

मैरी ने चुपचाप झुककर दरवाजे के पास पड़ी दो खाली बाल्टी उठाईं और फिर वो बाहर चली गई.

सारााह पहले ही अपनी बाल्टी बर्फ से भर चुकी थी. मैरी ने भी भी वैसा ही किया. फिर दोनों लड़कियों ने बर्फ को घर में ले जाकर एक बड़े बैरल में डाल दिया. उन्होंने बर्फ के पिघलने की प्रतीक्षा की, और फिर अधिक बर्फ़ के लिए दुबारा बाहर गईं.

पीने, खाना पकाने और धोने का सारा पानी उस बैरल से ही आता था. कल मिसेज़ फ़ेहर कपड़े धोएंगी और साराह उनकी मदद के लिए घर पर ही रहेगी, इसलिए आज रात को पानी का बैरल भरा होना चाहिए. वसंत और गर्मियों में, यह बहुत आसान होता था क्योंकि बैरल में छत पर गिर रही बारिश का पानी गिरता था, और तब नदी जमी नहीं होती थी. लेकिन सर्दियों में सारा पानी बर्फ से ही आता था. जब बर्फ आज जैसा सूखा और ख़स्ता होता, तो बैरल को भरने में कई चक्कर लगाने होते थे.

हर बार जब मैरी बाहर जाती तो वो जंगल की ओर देखती थी. उसके पिता खलिहान से बाहर आए जहां वो सूअरों को चरा रहे थे और फिर घर में चले गए. इसहाक, माउस के साथ वापिस लौटा. पर मैरी को पिल्ला कहीं दिखाई नहीं दिया.

मिट्टी के तेल का दिया जलाया गया और मैरी अपने किताब को घूरते हुए मेज पर बैठती गई. मिसेज़ फेहर रात का खाना बना रही थीं. मिस्टर फेहर अपनी बंदूक साफ कर रहे थे. रेडियो, एक ठंडी रात की भविष्यवाणी रहा था. पर मैरी अपने पिल्ले के बारे में ही सोचती रही.

अचानक दरवाजे के बाहर एक आवाज आई, एक धीमी सी आवाज. मिस्टर फेहर दरवाजे पर गए और उसे खोला. मैरी चिल्लाई : "वो मेरा छोटा पिल्ला होगा," और फिर पिल्ले को अपनी बाहों में लेने के लिए दौड़ी.

मिस्टर फेहर बहुत गुस्से में थे. "तुम उसे यहाँ पर रहने के लिए क्यों प्रोत्साहित कर रही हो? अपना कोट पहनो और उससे छुटकारा पाओ ताकि वो दुबारा वापस न आए."

इस बार मैरी, बर्गन फार्म तक लगभग दो मील चलकर गई. "शायद मिस्टर बर्गन उस पिल्ले को अपने बच्चों को रखने की इज़ाज़त दें," फिर उसने पिल्ले को दरवाजे के पास नीचे रखते हुए कहा, "फिर मैं तुम्हें कभी-कभी ज़रूर देख पाऊंगी."

जब वो सर्द रात में घर दौड़ी तो उसके पैर की उंगलियां चुभ रही थीं और सर्द हवा उसके गले को जला रही थी.

जब वो वापस आई तो परिवार मेज पर खाना खा रहा था. माँ ने ऊपर देखकर कहा: "आज रात तुम्हारा पसंदीदा खाना बना है, मैरी."

"मुझे भूख नहीं है, माँ."

मिसेज़ फेहर कुछ कहना चाहती थीं लेकिन मिस्टर फेहर ने उन्हें रोक दिया. "अगर वो चाहती है तो लड़की को बिना खाए ही बिस्तर पर जाने दो," उनकी आवाज में अभी भी गुस्सा था. "उसे जानवर रखने के लिए नहीं पूछना चाहिए था. वो इस घर के नियम अच्छी तरह जानती है."

मैरी बिस्तर पर गई और उसने अपना सिर तकिए में दबा लिया. "पिताजी को इतना गुस्सा नहीं करना चाहिए?" उसने आश्चर्य किया. फिर उसे आखिरी पतझड़ की याद आई जब जेक और इसहाक ने अपने पिता से एक बंदूक की भीख मांगी थी. उन्होंने साफ़ मना कर दिया और फिर गुस्सा भी हुए थे. माँ ने समझाया: "तुम्हारे पिता तुम्हें वो सब कुछ देते हैं जो वो दे सकते हैं. पर जब तुम बहुत अधिक माँगते हो, तो उन्हें मना करते हुए बड़ा दुख होता है. इसलिए फिर वो गुस्सा हो जाते हैं."

मैरी इस बारे में बहुत देर तक सोचती रही. फिर उसकी आँख लग गई.

उस रात जब फेहर हाउस में सभी सो रहे थे, तब एक अन्य प्रकार का जानवर, एक कोयोट, जंगल से बाहर आया. उसने सभी इमारतों को सूंघा, फिर वो मुर्गीघर के पास आकर रुका. उसने चुपचाप दरवाजा बंद करने वाली रस्सी खींची जिससे रस्सी ढीली हो गई. फिर कोयोट ने मुर्गीघर में घुसने के लिए दरवाजे को धक्का दिया.

तभी अचानक रात में, एक कर्कश चीख उठी!

फेहर हाउस में सभी जाग गए. मिस्टर फेहर ने जल्दी से अपने कपड़े उतारे, अपनी बंदूक उठाई और बाहर दौड़े.

बाकी परिवार भी उठा और सभी लोगों ने खिड़की से बाहर चारों ओर देखा. मैरी लेटी रही. उसने इसहाक को यह कहते हुए सुना कि कोई कोयोट आया था. मैरी ने दुबारा सोने की कोशिश की ताकि उसे अपने पिल्ले के बारे में और अधिक सोचना न पड़े.

मिस्टर फेहर ने कोयोट को बर्फ की तेज रोशनी में देखा. उन्होंने अपनी बंदूक से निशाना लगाकर फायर किया.

उनका पहला निशाना चूक गया. कोयोट मुड़ा उसने झपकी ली और फिर जल्दी से मुर्गी घर के पीछे भागा. मिस्टर फेहर ने दुबारा फायर किया, लेकिन कोयोट तेज़ी से दौड़कर पहाड़ी के ऊपर गायब हो गया.

उसके बाद मिस्टर फेहर मुर्गी घर में गए यह सुनिश्चित करने के लिए अंदर सभी मुर्गियां ठीक-ठाक तो थीं. फिर उन्होंने मुर्गी घर के दरवाजे को कसकर बांध दिया. वो घर में घुसने ही वाले थे जब उन्हें अपने पैरों के पास कुछ दिखाई दिया.

वहां पर भेड़िए का पिल्ला अपनी पूंछ हिला रहा था.

"अच्छा तो वो तुम ही थे जिसने हमें चेतावनी दी," मिस्टर फेहर ने कहा. फिर वो नीचे झुके और उन्होंने पिल्ले को अपने हाथों में उठाया और उसे निहारा. "तुम बड़े बहादुर और मज़बूत हो, क्यों है ना? तुम्हें ठंड और कोयोट्स से भी डर नहीं लगता हैं. लगता है तुम हमारे अच्छे काम आओगे."

वो पिल्ले को घर में ले गए. मिसेज़ फेहर ने तेल का दिया जलाया. मैरी को छोड़कर हर कोई उनकी प्रतीक्षा कर रहा था.

भेड़िए के पिल्ले को देखकर बच्चे उत्साहित हुए. मिस्टर फेहर ने अपने होठों पर अपनी उंगली रखी और बच्चों को चुप रहने के संकेत दिया. फिर वो बेडरूम में गए.

अपने पिता को बेडरूम में आते देखकर मैरी ने ऊपर देखा. पिताजी ने भेड़िए के पिल्ले को बिस्तर पर रख दिया. "इस छोटे साथी को कुछ गर्मी चाहिए," उन्होंने कहा.

मैरी को विश्वास ही नहीं हो रहा था. क्या वो कोई सपना तो नहीं देख रही थी? उसने तुरंत छोटे पिल्ले को अपनी बाहों में ले लिया. "क्या मैं उसे रख सकती हूँ?" उसने पिताजी से पूछा.

"मुझे लगता है कि तुम उसे रख सकती हो," पिताजी ने जवाब दिया.

बेडरूम के द्वार में, इसहाक और जेक और साराह खड़े थे. मिसेज़ फेहर ईवा को अपनी बाहों में पकड़े हुए थीं. सभी खड़े होकर देख रहे थे और मुस्कुरा रहे थे.

अंत